

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024)

दिनांक : 18.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खंड)-30

- प्र. 1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें— 15
- (क) विस्तार द्वार के आधार पर निर्जरा, बंध व मोक्ष को समझाएं।
- (ख) औपशमिक, क्षायिक व पारिणामिक भाव लिखें।
- (ग) कर्म के उदाहरण लिखें।
- (घ) द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव-गुण का अर्थ बताते हुए जीव, आश्रव, संवर व निर्जरा को समझाएं।
- प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें— 15
- (क) दृष्टान्त द्वार के आधार पर आश्रव को समझाएं।
- (ख) सावध-निरवध द्वार लिखें।
- (ग) लोकालोक द्वार लिखें।
- (घ) भाव किसे कहते हैं, वे कितने हैं, नाम लिखें व औदयिक भाव को समझाएं।
- (ङ) द्रव्य, गुण व पर्याय का अर्थ समझाते हुए गुण के भेद-प्रभेद के नाम लिखें।
- (च) कर्म द्वार (द्वितीय) के आधार पर ज्ञानावरणीय व नाम कर्म बंध के कारण लिखें।

प्रतिक्रमण-20

- प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें— 15
- (क) आलोचना सूत्र व प्रायश्चित्त सूत्र।
- (ख) इर्यापथिक सूत्र व अभ्युत्थान सूत्र।
- (ग) सूत्र सहित बारहवां व्रत व अतिचार लिखें।
- (घ) बारह व्रतों के केवल सूत्र लिखें।
- प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें— 5
- (क) शक्र स्तुति करने की विधि लिखें।
- (ख) अरति रति का क्या अर्थ है?

- (ग) सम्यक्त्व के कितने भूषण हैं? नाम लिखें।
- (घ) 'खात' शब्द का अर्थ लिखें।
- (ङ) उपयोग परिभोग परिमाण व्रत के कितने अतिचार हैं?
- (च) साधारण वनस्पतिकाय कितनी हैं?
- (छ) ध्यान कितने अतिचारों का किया जाता है?

कर्म प्रकृति-25

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें—

9

- (क) नामकर्म की परिभाषा लिखते हुए उसकी 42 उत्तर प्रकृति के नाम लिखें।
- (ख) आयुष्य कर्म की परिभाषा, इसकी उत्तर प्रकृतियां, बंध के हेतु, स्थिति व गुणस्थान में अवस्थिति लिखें।
- (ग) अंतराय कर्म किसे कहते हैं? इसकी उत्तर प्रकृतियों को समझाएं।
- (घ) ज्ञानावरणीय कर्म की परिभाषा व भोगने के हेतु लिखें।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें—

16

- (क) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्त को समझाएं।
- (ख) प्राण, भूत, जीव व सत्व किसे कहते हैं? तथा वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।
- (ग) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।
- (घ) चारित्र मोह कर्म के लक्षण व कार्य का यंत्र बनाएं।
- (ङ) नो कषाय किसे कहते हैं? इसकी प्रकृतियां कितनी हैं? नाम लिखें।

गीतिका कर्मों की सज्जाय-10

प्र. 7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें—

8

- (क) सती शिरोमणि.....कमाई रे।
- (ख) इम अनेक.....महाराजा रे।
- (ग) ईश्वर देव.....खावै रे।
- (घ) कर्म.....पाणी रे।

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें—

2

- (क) सूर्य कितनी किरणों वाला होता है और चंद्रमा कितनी कलाओं वाला होता है?
- (ख) सौतेली माता ने किसके साथ, क्या किया?
- (ग) अटवी में पानी के बिना कौन व्याकुल हुआ?
- (घ) इस गीतिका में कितने व कौन से चक्रवर्तियों के विषय में बताया गया है?

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान-15

प्र. 9 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें (प्रत्येक वर्ग से एक-एक करें)—

12

पच्चीस बोल—

- (क) पांचवा बोल।
- (ख) सतरहवां बोल।

पच्चीस बोल की चर्चा—

- (क) जीव के नौ भेद किसमें व कौन-कौन से?
- (ख) अठारह दंडक किसमें व कौन-कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी—

- (क) ध्यान किस कर्म का उदय?
- (ख) किस योग के जीव कम, किस योग के जीव अधिक?

तत्त्व चर्चा—

- (क) धूप छांह छह में कौन नौ में कौन?
- (ख) नौ तत्त्व में हेय कितने? उपादेय कितने? ज्ञेय कितने?

प्र. 10 कोई एक पद्य लिखें—

3

- (क) तीर्थकर..... जाण।
- (ख) पोथा पाना.....भारी रे।